प्रकाशनार्थ

01 अक्टूबर,2022 गोरखपुर।

गोरखनाथ मंदिर में नवरात्रि के छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की गई । कहा जाता है इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है और रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं।

पूजा आराधना गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में प्रातःकाल में 4.00 से 6.00 बजे तक एवम सायंकाल में समस्त अनुष्ठान गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ ने किया। इसके साथ ही गोरखनाथ मंदिर के दुर्गा मंदिर (शक्तिपीठ) के गर्भगृह में श्रीमद् देवीभागवत का पाठ एवं श्रीदुर्गासप्तशती के पाठ का भी जारी रहा। दोनों समय में गौरी-गणेश की आराधना के साथ सभी देव-विग्रहों का षोडषोचार भी पूजन किया । आरती एवं क्षमा प्रार्थना के बाद प्रसाद का वितरण किया गया । समस्त अनुष्ठान मंदिर के मुख्य पुरोहित पंडित रामानुज त्रिपाठी की उपस्थिति में संपन्न हुए

पावन शारदीय नवरात्र के छठवें दिन गोरखनाथ मंदिर में एक विशेष अनुष्ठान के क्रम में ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की चरण पादुका का पूजन योगी कमलनाथ जी ने किया

आरती में संस्कृत विद्यापीठ के 151 छात्रों , पुरोहितों एवं आचार्यगण के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच अनुष्ठान पूर्ण किया।

इस अवसर पर योगी धर्मेन्द्रनाथ, द्वारिका तिवारी, डॉ अरविन्द चतुर्वेदी, डॉ रोहित मिश्र, पुरुषोत्तम चौबे, विनय गौतम, नित्यानंद तिवारी, शुभम मिश्र, शशांक पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।